Question :- Discuss the posulates and achivements of watsonion behaviourism

Or

Discuss the Contributions of watson to the growth of behaviourism.

Ans:

1912 को मनोविज्ञान की इतिहास में एक क्रांतिकारी वर्ष माना जाता है। लगभग इसी वर्ष woundt के संरचनावाद के विरोध में एक अमेरिका में व्यवहार वाद और दूसरी ओर जर्मनी में Gestalt वाद का विकास हुआ। woundt ने चेतन अनुभूति की व्याख्या के लिये आत्मनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाया। इन्होंने चेतन अनुभूति को मनोविज्ञान की विषयवस्तु माना और और अन्तःनिरीक्षण को इसकी विधि माना। लेकिन watson ने इन दोनों का विरोध किया। उन्होंने व्यवहार को - मनोविज्ञान कि विषयवस्तु तथा बाह्यनिरीक्षण को इसकी विधि माना। इस प्रकार विधिवत रूप से व्यवहारवाद एक सम्प्रदाय के रूप में 1918 में स्थापित हो गया। 1913-1930 ~~के बाद~~ तक के व्यवहार को प्रारम्भिक व्यवहारवाद अथवा watson व्यवहारवाद कहते हैं। 1930 के बाद व्यवहार वाद को पश्चात् व्यवहारवाद (Later behaviourism) कहते हैं। प्रारम्भिक व्यवहारवाद का श्रेय watson को है। उन्होंने अपने व्यवहारवाद के माध्यम से ~~मनो~~ मनोविज्ञान के वैज्ञानिक ~~विकास~~ विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(1) विषयवस्तु :- Subject matter :-

watson ने मनोविज्ञान को

विषय वस्तु के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण योगदान दिया Woundt ने चेतन अनुभूति को मनोविज्ञान की विषयवस्तु माना। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान चेतन अनुभूति का रचनात्मक अध्ययन करता है। लेकिन Watson ने इसका विरोध किया और कहा कि चेतन अनुभूति विज्ञान की वस्तुवस्तु नहीं हो सकती है। क्योंकि यह पूर्ण व्यवहारिक है। इसके आधार पर किसी पशु, पागल तथा बच्चों का अध्ययन भी संभव होता है। अतः मनोविज्ञान की विषय वस्तु केवल व्यवहार ही हो सकता है। मनोविज्ञान के वैज्ञानिक विकास में Watson का यह महत्व पूर्ण योगदान सिद्ध हुआ। उनके इस योगदान के से मनोविज्ञान एक वस्तुनिष्ठ विज्ञान है। यह एक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान बन सका।

(2) विधि (Method)

मनोविज्ञान के क्षेत्र में Watson ने एक विधि के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण योगदान दिया Woundt ने केवल अन्तः निरीक्षण को विधि माना लेकिन Watson ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ने कहा कि अन्तः निरीक्षण मनोवैज्ञानिक विधि है। यह पूर्णतः आत्म निष्ठ है। इसके उपयोग से मनोविज्ञान का क्षेत्र काफी सीमित बन जाता है। क्योंकि अन्तनिरीक्षण, बच्चे, पागल तथा पशु के लिये संभव नहीं है। तब इन्होंने इसके स्थान पर बाह्य निरीक्षण वस्तुनिष्ठ होता है। इसका क्षेत्र व्यापक विधि को मनोविज्ञान की विधि माना इसका क्षेत्र व्यापक है। मनुष्य के साथ

Scanned with CamScanner

साथ पशुओं का अध्ययन करता है।
इसलिए मनोविज्ञान के वास्तविक विधि बाह्य निरीक्षण इसका यह योगदान भी महत्वपूर्ण है। सच पूछा जाए तो वस्तुनिष्ठ मनोविज्ञान की स्थापना watson ने ही किया इसी लिए watson को वस्तुनिष्ठ मनोविज्ञान का जन्मदाता माना जाता है।

(3) संवेदना तथा प्रत्यक्षीकरण :-

Sensation and Perception :

watson ने अपनी व्यवहार वाद के अन्तर्गत संवेदना तथा प्रत्यक्षीकरण की व्याख्या का प्रयास किया। उन्होंने संवेदना तथा प्रत्यक्षीकरण को ज्ञानात्मक क्रियात्मक प्रक्रिया माना। woundt ने कहा था कि संवेदना तथा प्रत्यक्षीकरण केन्द्रिय प्रक्रिया है। लेकिन watson ने इसका विरोध किया और कहा कि यह परिधिय क्रियात्मक प्रक्रिया है। लेकिन इस क्षेत्र में watson को कोई विशेष सफलता नहीं मिल पायी।

(4) उतेजना तथा प्रतिक्रिया

Stimulus and Response

watson ने अपने व्यवहार वाद के अन्तर्गत उतेजना तथा प्रतिक्रिया का उल्लेख किया। उन्होंने व्यवहार के दो तत्वों को माना व्यवहार तथा प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने दो तरह के प्रक्रियाओं का उल्लेख किया जिन्हें जन्म जात प्रक्रिया तथा अर्जित प्रक्रिया प्रतिक्रिया कहते हैं। मूल प्रवृतियों पर आधारीत प्रतिक्रियायें जन्मजात होती हैं। इन्हें सीखने की

Scanned with CamScanner

आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन अपने वातावरण में अधिकांश प्रतिक्रियायें ऐसी ही होती हैं। जिन्हें व्यक्ति अपने वातावरण से सीखता है। इस प्रकार Watson का दृष्टिकोण विश्लेषणात्मक था।

(5) चिंतन (Thinking)

Watson ने अपने व्यवहारवाद के अन्तर्गत चिन्तन के क्षेत्र में योगदान दिया। इन्होंने केन्द्रिय सिद्धान्त को अस्वीकार कर दिया। इसके स्थान पर क्रियात्मक क्रिया को स्वीकार किया। इन्होंने भाषा तथा चिन्तन में कोई मौलिक अन्तर नहीं माना। इन्होंने चिंतन को अव्यक्त भाषा की संज्ञा दी। इनके इस विचार की कड़ी आलोचना की गई। फिर भी इनका यह कहना आज भी सत्य है कि भाषा के कारण चिन्तन सरल तथा सहज बन जाता है।

(6) संवेग Emotion :-

Watson का यह योगदान संवेग के क्षेत्र में है। इन्होंने तीन तरह के प्राथमिक संवेगों का उल्लेख किया। इन संवेगों को प्रेम भय तथा क्रोध कहा गया है। बाकी सभी संवेग इन तीन प्राथमिक संवेगों के कारण विकसित होते हैं। इन्होंने संवेग शिक्षण के महत्व पर बल दिया। इन्होंने अपनी अविद्य पत्नी Renor के साथ अपने बच्चों पर अध्ययन किया। वह बच्चा उनसे खिलौना से खेलता था। और उसे खुशी का संवेग होता था। लेकिन शिक्षण के ~~अध्ययन~~ से ~~आवश्यक~~ से माध्यम से अनुकूलन के आधार पर इस बच्चा

को उनके खिलौना से इतना सिखाया गया बाद में वह सभी उनकी उत्तेजनाओं से डरने लगा। इन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संवेग का आधार शिक्षण है। इनका यह विचार को आज भी आंशिक रूप में मान्य है।

(7) शिक्षण (Learning) :- व्यवहार का एक महत्वपूर्ण अंग शिक्षण है। Watson ने शिक्षण के सम्बन्ध में कोई निश्चित योगदान नहीं दिया। इन्होंने शुरू में Thorndike के प्रभाव नियम को शिक्षण का आधार माना। इन्होंने कहा कि प्रभाव नियम के माध्यम से ही शिक्षण संभव है लेकिन फिर इन्होंने अपने विचार में परिवर्तन लाया। और कहा कि शिक्षण का आधार Thorndike का प्रभाव नियम नहीं बल्कि इसका आधार pavlow का प्रबलन नियम है। इस प्रकार watson की ~~सोच~~ नीति शिक्षण के क्षेत्र में निश्चित तथा स्थिर नहीं रह सकी।

(8) Environment - वातावरण

Watson का एक योगदान वातावरण से सम्बन्धित है। watson से पूर्व बच्चों के विकास में केवल वंशानुक्रम पर बल दिया। कहा गया कि बच्चों के विकास में केवल वंश परम्परा पर बल दिया गया। watson ने इसे अस्वीकार किया। इन्होंने कहा कि बच्चों के विकास में केवल वातावरण का हाथ होता है। इन्होंने दावा कि यदि मुझे स्वस्थ बच्चे दे दिया जाय तो मैं उसे वातावरण के अनुकूल वकील, जज, डाक्टर

Scanned with CamScanner

चोर या डाकु बना सकते है। चाहे उसकी वंशपरम्परा जैसी रही हो। Watson की इस घोषणा से द्वन्द तो जरूर है। लेकिन इसकी मान्यता से इनकार भी नहीं किया जा सकता है। Watson का यह विचार आज भी आंशिक रूप से मान्य है।

अतः स्पष्ट हो जाता है, कि Watson ने व्यवहार वाद के विकास में विशेष रूप से और मनोवैज्ञानिक रूप से विकास में सामान्य रूप से योगदान दिया। पश्चात् व्यवहारवाद के विकास में Skinner Tolmon, Hull ने योगदान दिया। इनके योगदान विशेष रूप से शिक्षण के क्षेत्र में है। एक लम्बे समय तक व्यवहार वाद का बोल बाला रहा। संज्ञानात्मक मनोविज्ञान के विकसित हो जाने के कारण व्यवहारवाद का नियंत्रण ढीला पड़ता जा रहा है। इतना होने के बावजूद यह सत्य है, कि मनोविज्ञान को वस्तुनिष्ठ विज्ञान की श्रेणी में लाने का श्रेय Watson को ही है।